nt>

Title: Request to cancel the motion passed by the Delhi Legislative Assembly for suspension of the Delhi Nagar Nigam.

श्री लाल बिहारी तिवारी (पूर्वी दिल्ली) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से 29 नवम्बर को दिल्ली विधान सभा में दिल्ली नगर निगम को भंग करने का प्रस्ताव पारित किया गया, बिना किसी कारण बताये जो अन्यायपूर्ण, असंवैधानिक व नियमों के विरुद्ध है। यह निगम नोमिनेटिड संस्था नहीं है, निर्वाचित संस्था है। जिस प्रकार से लोक सभा और विधान सभा के चुनाव होते हैं, उसी प्रकार दिल्ली नगर निगम के चुनाव हुए हैं, लेकिन बिना कोई कारण बताये उसको विधान सभा में भंग कर दिया गया है। शायद देश के इतिहास में यह पहली घटना होगी कि एक नगर निगम को भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ हो, जहां सारा विपक्ष बहिर्गमन कर गया। प्रस्ताव को राजनैतिक द्वेाभाव से लाया गया, मैं उसकी निन्दा करता हूं। हमारे पास सारे निर्वाचित प्रतिनिधि आये थे। देश की यह सबसे बड़ी संविधान की, लोकतंत्र की रक्षा करने वाली संस्था है, इसलिए इस मामले में इसे पहल करनी चाहिए।

मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि यह जो प्रस्ताव पास किया गया है, उस प्रस्ताव को निरस्त किया जाये। वह सरकार जो दिल्ली की समस्याओं को हल करने में पूरी तरह विफल रही है और जिसके खिलाफ भ्रटाचार के आरोप खुद उसके विधायक लगा रहे हैं, उसको प्रस्ताव पारित करने का कोई अधिकार नहीं है।â€¦(व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जो मामला यहां उठा रहे हैं, यह नियमों के, संविधान के विरुद्ध है। दिल्ली विधान सभा में पारित किसी प्र ास्ताव की यहां चर्चा नहीं हो सकती। मेरा अनुरोध है कि इसे कार्यवाही से निकाल दिया जाये।â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जो भी नियम कि विरुद्ध होगा, वह सारा मैं एक्सपंज करूंगा।

श्री लाल बिहारी तिवारी : अभी उत्तर प्रदेश में नगर निगमों और नगर परिदों के चुनाव हुए हैं। एक तरफ हम छोटी संस्थाओं को अधिकार देने की बात कर रहे हैं और दूसरी तरफ राजनैतिक भावना से उन्हें दिल्ली सरकार भंग करने का प्रस्ताव पास कर रही है। इसलिए मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से मांग करता हूं कि इस प्रकार की भ्रट दिल्ली की सरकार को क्यों न भंग कर दिया जाये। दिल्ली सरकार को भंग किया जाना चाहिए।

PROF. A.K. PREMAJAM (BADAGARA): Sir, I have given a notice today on a very important issue. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Whatever is against the rules, the Constitution, the norms or anything, those things would be expunged.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Satyavrat Chaturvedi, I have already told about it.

...(*Interruptions*)